सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

शुभ दिवाली

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	30°	17°
शनिवार	29°	17°
रविवार	36°	17°
सोमवार	36°	17°
मंगलवार	31°	17°
बुधवार	30°	17°
वीरवार	30°	18°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 17 OCTOBER TO 23 OCTOBER 2025 • VOLUME 13 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?
What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

रिश्वत मामले में डीआईजी रोपड़ रेंज और निजी व्यक्ति 8 लाख रुपये लेते गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

सीबीआई ने पंजाब पुलिस के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर और एक निजी व्यक्ति को 8 लाख रुपये की रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 2009 बैच के एक वरिष्ठ अधिकारी जो वर्तमान में रोपड़ रेंज, पंजाब में उप महानिरीक्षक (डीआईजी) के पद पर तैनात हैं, को एक निजी व्यक्ति के साथ 8 लाख रुपये की रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किया है।

अधिकारी पर यह भी आरोप है कि उन्होंने शिकायतकर्ता से मासिक अवैध भुगतान की मांग की थी। सीबीआई ने 16 अक्तूबर यानी गुरुवार को उक्त सरकारी कर्मचारी और उनके सहयोगी के खिलाफ एक मामला दर्ज किया था। आरोप था कि अधिकारी ने एक एफआईआर "सुलझाने" और शिकायतकर्ता के व्यवसाय के खिलाफ कोई और कठोर या प्रतिकूल पुलिस कार्रवाई न करने के एवज में 8 लाख रुपये की एकमुश्त और मासिक रिश्वत की मांग की थी। सीबीआई ने जाल बिछाकर उस निजी व्यक्ति को सेक्टर 21, चंडीगढ़ में शिकायतकर्ता से 8 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। कार्रवाई में एक नियंत्रित कॉल सरकारी अधिकारी को की गई, जिसमें उन्होंने भुगतान की पुष्टि की और अपने कार्यालय में मिलने के लिए कहा। इसके बाद सीबीआई टीम ने उनके कार्यालय से अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया और दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

सीबीआई द्वारा पंजाब और चंडीगढ़ स्थित संबंधित परिसरों में की गई तलाशी के दौरान बरामद हुई आपत्तिजनक सामग्री और नकदी में लगभग 5 करोड़ रुपये नकद (गिनती जारी है), लगभग डेढ किलो सोना/जेवरात, पंजाब में अचल संपत्तियों और संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज, दो लग्ज़री गाड़ियों (मर्सिडीज और ऑडी) की चाबियां, 22 महंगी घड़ियाँ, लॉकर की चाबियाँ, 40 लीटर विदेशी शराब की बोतलें, हथियारों में एक डबल बैरल गन, एक पिस्तौल, एक रिवॉल्वर, एक एयरगन, तथा गोलियां शामिल हैं। इसके अलावा निजी व्यक्ति के पास से 21 लाख रुपये नकद बरामद किए। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्हें 17 अक्तूबर यानी आज विशेष न्यायालय में पेश किया जाएगा। सीबीआई द्वारा तलाशी और आगे की जांच जारी है।

• सीबीआई ने साबित किया कि वह शिकार करते वक्त शेर या हिरण नहीं देखती।

• डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर के घर से बरामद नकदी व कीमती जेवरात।

सीएम मान शहीदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के लिए राष्ट्रपति-पीएम को देंगे निमंत्रण

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्री गुरु तेग बहादर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित राज्य सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण देंगे।

यहां एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री की ओर से राज्य सरकार की तरफ से इन स्मृति समारोहों में शामिल होने के लिए इन विशिष्ट व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन आयोजनों का विस्तृत कार्यक्रम राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के साथ साझा किया जाएगा तथा मुख्यमंत्री उनकी सुविधा के अनुसार कार्यक्रम में शामिल होने का अनुरोध करेंगे। राज्य सरकार इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए सभी आवश्यक प्रबंध और सुरक्षा इंतज़ाम विशेष रूप से करेगी, ताकि यह आयोजन सभी के लिए यादगार बन सके। प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार पहले ही इस स्मृति दिवस के अवसर पर पूरे राज्य में विशेष आयोजनों की रूपरेखा तय कर चुकी है।

बिहार चुनाव : पीएम मोदी-शाह समेत 40 स्टार प्रचारक करेंगे शंखनाद

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने 40 स्टार प्रचारकों की अपनी सूची जारी की है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह व अमित शाह समेत कई शीर्ष नेता शामिल हैं। इस सूची में कई प्रमुख नेता, मुख्यमंत्री और मशहूर हस्तियां शामिल हैं। इसमें भाजपा के 5 मुख्यमंत्री- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस शामिल हैं। इस सूची में कुछ समय के लिए राजनीतिक सुर्खियों से दूर रहे लोगों को भी शामिल किया गया है, और जिन लोगों को चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं मिला है, उनमें पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री स्मृति ईरानी सबसे बड़ा नाम हैं, जिनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, राधा मोहन सिंह, साध्वी निरंजन ज्योति और अश्विनी कुमार चौबे भी शामिल हैं। उनके अलावा, बिहार के दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, पूर्व डिप्टी सीएम रेनू देवी और कई अन्य राज्य मंत्री भी शामिल हैं।

सूची में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और केंद्रीय जल मंत्री सीआर पाटिल, डॉ. दिलीप कुमार जयसवाल, प्रेम कुमार, नित्यानंद राय, सतीश चंद्र दुबे, राज भूषण चौधरी, अश्विनी कुमार चौबे, राजीव प्रताप रूडी, डॉ. संजय जयसवाल, विनोद तावड़े, बाबूलाल मरांडी, प्रदीप कुमार सिंह, गोपालजी ठाकुर और जनक राम भी शामिल हैं। इसमें भोजपुरी सिनेमा के कुछ बड़े नाम, अभिनेता-गायक से राजनेता बने पवन सिंह, मनोज तिवारी, रवि किशन, दिनेश लाल यादव "निरहुआ" भी शामिल हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 17 अक्टूबर है, जबकि मतदान 6 नवंबर को होगा। इससे पहले बुधवार को भारतीय जनता पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की, जिसमें 18 नाम शामिल थे।

सीएम भूपेंद्र पटेल को छोड़ सभी मंत्रियों ने दिया इस्तीफा

अहमदाबाद. गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को छोड़कर सभी मंत्रियों ने गुरुवार को संभावित मंत्रिमंडल विस्तार से एक दिन पहले इस्तीफा दे दिया। गुजरात मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री पटेल सहित 17 मंत्री शामिल थे। आठ कैबिनेट स्तर के मंत्री थे, जबकि इतने ही राज्य मंत्री थे। 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा में 27 मंत्री या सदन की कुल संख्या का 15 प्रतिशत हो सकता है।

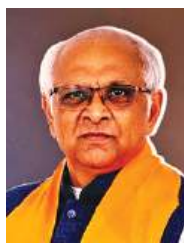

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गुजरात कैबिनेट का शुक्रवार को विस्तार होने वाला है।

एक वरिष्ठ भाजपा नेता के हवाले से बताया कि आगामी कैबिनेट विस्तार में राज्य को लगभग 10 नए मंत्री मिलने की उम्मीद है। उन्होंने आगे बताया कि लगभग आधे मौजूदा मंत्रियों को बदला जा सकता है। रिपोर्टों से पता चलता है कि धर्मेंद्रसिंह, ऋषिकेश पटेल, मुकेश पटेल और भूपेंद्रसिंह चुडासमा जैसे मंत्रियों के अपने पद बरकरार रहने की संभावना है, जबकि कनुभाई देसाई (वित्त), राघवजी पटेल (कृषि), कुंवरजी बावलिया (जल आपूर्ति) और मुरुभाई बेरा (पर्यटन) जैसे अन्य मंत्रियों को हटाया जा सकता है।

वर्तमान गुजरात मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री पटेल सहित 17 मंत्री हैं। आठ कैबिनेट स्तर के मंत्री हैं, जबकि इतने ही अन्य राज्य मंत्री हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के समारोह में मौजूद रहने की उम्मीद है। सभी भाजपा विधायकों को भी गुरुवार तक गांधीनगर में उपस्थित रहने को कहा गया है। 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा में 27 मंत्री या सदन की कुल संख्या का 15 प्रतिशत हो सकता है।

पंजाब राज्यसभा उम्मीदवार रजिंदर गुप्ता को चुनाव सर्टिफिकेट दिया

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा के सचिव-कम-रिटर्निंग अधिकारी राम लोक खटाना ने गुरुवार को पंजाब राज्यसभा उम्मीदवार रजिंदर गुप्ता, जो संसद के उच्च सदन के लिए निर्विरोध चुने गये थे, को चुनाव सर्टिफिकेट सौंपा। यह सर्टिफिकेट उन्हें पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां की उपस्थिति में दिया गया। रजिंदर गुप्ता के साथ उनकी पत्नी मधु गुप्ता भी मौजूद थीं।

विजीलेंस ब्यूरो ने वसीका नवीस को 30,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों किया काबू

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने पठानकोट के तहसील कॉम्प्लेक्स में काम कर रहे एक वसीका नवीस (डीड राइटर) दीपक कुमार को 30,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। विजीलेंस ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को पठानकोट जिले के गांव बंगोल के एक निवासी की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने ब्यूरो से संपर्क कर आरोप लगाया कि जमीन खरीदने के बाद वह अपनी संपत्ति की रजिस्ट्री करवाने के लिए उक्त वसीका नवीस से मिला। शिकायतकर्ता ने रजिस्ट्री की आवश्यक फीस वसीका नवीस को ट्रांसफर कर दी, जिसके बाद उसने रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी करवा दी। लेकिन बाद में आरोपी ने 30,000 रुपये की रिश्वत की

मांग यह कहते हुए की कि तहसीलदार असली रजिस्ट्री के दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर तभी करेंगे जब रिश्वत की रकम दी जाएगी।

शिकायत की पुष्टि के बाद, अमृतसर रेंज की विजीलेंस ब्यूरो टीम ने जाल बिछाया और दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 30,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए वसीका नवीस को रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत विजीलेंस ब्यूरो थाना अमृतसर रेंज में मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

हर राज्य ऐसी यूनिट खड़ी करे जो भगोड़ों की वापसी करवाए : शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में सीबीआई द्वारा आयोजित 'भगोड़ों का प्रत्यर्पण: चुनौतियां और रणनीतियां' विषय पर सम्मेलन को संबोधित किया

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली/चंडीगढ़

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में सीबीआई द्वारा आयोजित कॉन्फ्रेंस ऑन एक्स्ट्राडिशन ऑफ फ्यूजिटिव्स : चैलेंजिस एंड स्ट्रेटेजिस को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह सचिव, विदेश सचिव, निदेशक, निदेशक, आसूचना ब्यूरो और केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के निदेशक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज हमारा देश विश्व में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे में हमारे लिए देश की सुरक्षा के सभी आयामों को सुनिश्चित करना बेहद ज़रूरी हो

जाता है। देश में भ्रष्टाचार, अपराध और आतंकवाद के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस रखते हुए भारत की सरहदों से बाहर रहकर इन गतिविधियों को चलाने वालों के खिलाफ भी ज़ीरो टॉलरेंस रखे। गृह मंत्री ने कहा कि ऐसे सभी अपराधियों को भारतीय कानूनों के दायरे में लाने का प्रयास और इसके लिए एक सुनिश्चित तंत्र बनाने की ज़िम्मेदारी भी हमारी है। यह सम्मेलन, भारतपोल और हमारे तीन नए आपराधिक कानूनों में उपलब्ध प्रावधानों के साथ हम किसी भी भगोड़े अपराधी को भारतीय अदालत के सामने प्रस्तुत करने में सक्षम बनने का एक संगठित प्रयास है और इसके लिए रोडमैप प्रदान करेगा। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि उनके द्वारा लगभग डेढ़ साल पहले दिए गए सुझाव पर अमल करते हुए सीबीआई ने भगोड़ों के प्रत्यर्पण से संबंधित विचार को ज़मीन पर उतारा है और इसके लिए संस्था बधाई की पात्र है।

अमित शाह ने कहा कि हम सबका यह संकल्प होना चाहिए कि अपराधी की चाल कितनी भी तेज़ हो, न्याय की पहुंच उससे भी अधिक गतिवान होनी चहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एक मज़बूत भारत, सीमाओं की सुरक्षा के साथ-साथ 'रूल ऑफ लॉ' की मज़बूती सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस दो दिवसीय कार्यशाला में हम ग्लोबल ऑपरेशन, स्ट्रांग को-ऑर्डिनेशन और स्मार्ट डेमोक्रेसी का समन्वय सुनिश्चित करेंगे। आज के सम्मेलन का विषय बेहद गंभीर और प्रासंगिक है। राष्ट्रीय सुरक्षा, देश की आर्थिक समृद्धि और नीतिगत जटिलता से मुक्ति पाने के लिए इस सम्मेलन में होने वाली चर्चाएं और सुझाए गए उपाय बहुत लाभप्रद सिद्ध होंगे।

दो दिनों में 258 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

नई दिल्ली (जालंधर ब्रीज). केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि पिछले दो दिनों में छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में 258 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जिससे नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में 170 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, जबकि कल छत्तीसगढ़ में 27 और महाराष्ट्र में 61 नक्सलियों ने अपने हथियार डाले। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने x पर अपने एक पोस्ट में कहा, " नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में बड़ी सफलता। छत्तीसगढ़ में आज 170 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, कल 27 ने हथियार डाले थे। महाराष्ट्र में भी कल 61 नक्सली हथियार त्याग कर मुख्यधारा में लौटे। पिछले दो दिनों में कुल 258 वामपंथी उग्रवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ा है।" गृह मंत्री ने कहा, "हिंसा छोड़कर भारत के संविधान में अपना विश्वास पुनर्स्थापित करने के इन सभी के निर्णय की सराहना करता हूँ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार की निरंतर कोशिशों का ही यह परिणाम है कि नक्सलवाद आखिरी साँसें ले रहा है। नक्सलियों के विरुद्ध हमारी नीति स्पष्ट है: जो आत्मसमर्पण करना चाहते हैं उनका स्वागत है, लेकिन जो लोग हथियार उठाए रहेंगे, उन्हें हमारी सुरक्षा बलों की कठोर कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। सभी नक्सलियों से मेरी अपील है कि वे अपने हथियार त्याग दें और मुख्यधारा में लौट आएं।"

अमित शाह ने कहा, "यह अत्यंत हर्ष की बात है कि एक समय आतंक का गढ़ रहे छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और नॉर्थ बस्तर को आज नक्सली हिंसा से पूरी तरह मुक्त घोषित कर दिया गया है।

Tour Places

भारत के शहर भले ही प्रदूषण और गंदगी से जूझ रहे हों लेकिन कुछ गांव ऐसे है जो अपनी सफाई के लिए जाने जाते हैं। इन 5 गावों में से एक को पूरे एशिया में सबसे साफ गांव माना जाता है। पढ़िए कौन से हैं ये गांव...

भारत के सबसे साफ-सुथरे गांव में होती है इन 5 की गिनती, एक बार जरूर देख लें

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

भारत में देखने के लिए बेहद सुंदर नजारे हैं। लेकिन साफ-सफाई के नाम पर अक्सर यहां के शहर पीछे रह जाते हैं। लेकिन कुछ गांव ऐसे हैं जिन्हें इंडिया के सबसे क्लीन विलेज की लिस्ट में शामिल किया जाता है। जिनमे से एक को एशिया का सबसे साफ-सुथरा गांव माना जाता है। तो अगर आप हरियाली और सफाई पसंद करते हैं तो एक बार इन गांव की सैर जरूर कर लें।

मौलिन्नौंग

मेघालय का ये छोटा सा गांव मौलिन्नौंग एशिया के सबसे साफ-सुथरे गांव के रूप में जाना जाता है। यहां की चमचमाती साफ-सुथरी सड़कें स्थानीय लोगों की मेहनत का नतीजा है। इस गांव में बांस के कूड़ेदान होते हैं और हर रोज लोग रास्ते की सफाई करते हैं। यहां पर प्लास्टिक पर बैन है और पूरे रास्ते में फूलों की क्यारी लगी है। इस गांव में पेड़ की जड़ों से बना ब्रिज है।

कोनोमा

नागालैंड की पहाड़ियों में बसा छोटा सा गांव है कोनोमा, जिसे ग्रीन विलेज के नाम से भी जाना जाता है। इस गांव के लोग जंगल और जंगली-जानवरों की सुरक्षा करते हैं और रास्तों को बेहद साफ-सुथरा रखते हैं। ऑर्गेनिक फार्मिंग और कूड़े के मैनजमेंट का काम इस गांव के लोग शानदार तरीके से करते हैं। सुंदर नजारे और साफ-सफाई के साथ कोनोमा गांव बेहद खूबसूरत माना जाता है।

पंसारी

गुजरात का ये गांव मॉडर्न टेक्निक के साथ पारंपरिक दिक्कतों को सॉल्व करने का काम करता है। वाईफाई, सोलर स्ट्रीटलाइट के साथ इस गांव में कूड़े और पानी का अच्छा मैनेजमेंट किया जाता है।

शनि श्रंग्वेरपुर गांव

महाराष्ट्र का ये गांव शनि देव को समर्पित है। और यहां के घरों में लोग दरवाजे नहीं बंद करते। साफ-सफाई के साथ सड़कों पर कूड़े गंदगी को लोग दूर रखते हैं। दूर-दूर से आने वाले टूरिस्ट और गांव वालों के लिए यहां आना बेहद सुखद अनुभव होता है।

हर्मल गांव

हिमाचल प्रदेश का ये गांव अपनी साफ-सुथरी आबोहवा के साथ सुंदरता को बनाकर रखने में आगे

है। हरे-भरे लहलहाते खेत ऑर्गेनिक खेती का नतीजा हैं। जिसे देखने का मन होता है। कूड़े के मैनेजमेंट से लेकर सड़कों की सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है।

PARENTING

बेटियों की सुरक्षा में पैरेंट्स की जागरुकता की भी है अहम भूमिका, ख्याल रखना है जरूरी

दुनिया में हमारी जिंदगी से ज्यादा जुड़ी क्या खबरें हैं? कौन-सी खबर हमारे लिए ज्यादा उपयोगी है? किस शख्सियत की कामयाबी ने हमें गर्व से भर दिया है? ऐसी तीन खास खबरें यहां साझा कर रही हैं एक्सपर्ट...

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

ऐसी खबरें बार-बार आती हैं कि मठ और साधु-संतों के आश्रम में लड़कियों का यौन शोषण होता है, उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। धर्म और पूजा-पाठ के नाम पर लड़कियों को बरगलाया जाता है। ऐसे धूर्त बाबा जब कानून की गिरफ्त में आते हैं, तब उनकी पोल खुलती है। पर उससे पहले कई मासूम लड़कियां उनका शिकार बन चुकी होती हैं। हाल ही में दिल्ली के बाबा स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती को अपने आश्रम और संस्था में लड़कियों के साथ अश्लील व्यवहार, यौन शोषण और डराने-धमकाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को इस कपटी बाबा के फोन में कई ऐसे चैट मिले हैं, जिसमें वो संस्था के छात्रों के साथ अश्लील वार्तालाप कर रहा है। धर्म के नाम पर बाबाओं की दुकान बढ़ती जा रही है। इसमें फंसते हैं, निम्न वर्ग और मध्यम वर्ग के लोग। अपनी बेटियों को वे इन आश्रमों में यह सोच कर भेजते हैं कि वहां सुरक्षा की छांव में वो पढ़-लिख सकेंगी, लेकिन होता इसका उल्टा है।

जरूरत है कि माता-पिता खुद भी सचेत हों और अपनी बच्चियों को भी ऐसे आश्रमों में भेजने से बचें। यह बात सबको समझ आनी चाहिए कि मुफ्त में इस दुनिया में कोई काम नहीं होता। अगर कोई आश्रम या बाबा यह दावा करता है कि वो आपकी बेटी को मुफ्त में पढ़ाएगा तो सचेत हो जाइए। धार्मिक होना अच्छी बात है, पर धर्म के नाम पर ऐसे बाबाओं की शरण में जाने का मतलब है, खुद की जिंदगी दांव पर लगाना।

हर महीने दर्द क्यों सहें? समय रहते कर लें इलाज

बीबीसी में प्रकाशित एक खबर के अनुसार हर दस में से एक लड़की को पीरियड के दौरान असहनीय दर्द और रक्तस्राव होता है। पिछले पचास सालों से पीरियड से जुड़ी समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। यह दर्द सामान्य नहीं है, बल्कि एक चेतावनी है। विशेषज्ञों के अनुसार, शादी की बढ़ती उम्र, तनाव, बदलती जीवनशैली और खानपान आदि वो वजहें हैं, जिनसे पीरियड का चक्र बदलने लगता है। एंडोमेट्रियोसिस इसकी वजह है। अगर समय रहते इस बीमारी का पता चल जाए तो पीरियड के दर्द से राहत मिल सकती है। अगर आपको पीरियड के दौरान असहनीय दर्द होता है तो आपको तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए। शुरू में तो दवाइयों से भी इसका इलाज हो जाता है।

युद्ध की आग में कुर्बान होती स्त्रियां

गाजा में लगातार चल रहे युद्ध ने वहां आम लोगों की स्थिति त्रासदपूर्ण बना दी है। युद्ध के माहौल में वहां की स्त्रियों की स्थिति बेहद गंभीर है। हिंदुस्तान टाइम्स में प्रकाशित एक खबर के अनुसार गाजा की कुछ स्त्रियों ने हाल ही में पत्रकारों को अपनी दुखद स्थिति का ब्योरा देते समय यह बताया कि भूख से बेहाल अपने बच्चों का पेट भरने के लिए उन्हें रोज अपने जिस्म का सौदा करना पड़ता है। राशन बांटने वाले अधिकारी महिलाओं से सीधे तौर पर सौदा करते हैं। वो औरतें जो गर्भधारण कर लेती हैं, उनकी स्थिति और खराब हो जाती है। उनको परिवार वाले भी नहीं अपनाते। गाजा से आती ये खबरें वाकई खौफनाक हैं। युद्ध की विभीषिका के बाद हमेशा इस तरह की कहानियां सामने आती हैं, जो मानवता को तार-तार कर देती हैं।

मेहमानों को खिलाएं मजेदार आलू चना चाट सीख लें बनाने और परोसने का ये तरीका

दिवाली पर मेहमान और फैमिली सबके लिए कुछ ना कुछ स्पेशल बनाना होता है। डिनर, लंच और स्नैक्स का मेन्यू डिसाइड कर रही हैं तो आलू चना चाट की रेसिपी भी जरूर नोट कर लें। जिसे आप आसानी से घरवालों और मेहमानों को खिला सकते हैं....

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

दिवाली का त्योहार नजदीक है। तो घर में पार्टी, गेस्ट का आना-जाना लगा ही रहेगा। अब होस्ट हैं तो मेन्यू डिसाइड करने के साथ ही उसे सर्व करने का नया तरीका भी खोजना जरूरी है। अगर दिवाली पर कुछ ट्रेडिशनल ट्राई करना चाहती हैं तो गेस्ट और फैमिली मेंबर को मजेदार आलू चना चाट की ये रेसिपी बनाकर खिलाएं। जिसे खाकर वो बार-बार खाने की डिमांड करेंगे। साथ ही आपके सर्विंग स्टाइल के भी फैन हो जाएंगे।

आलू चना चाट सामग्री

- काले चने एक कप
- दही दो कप
- मीडियम साइज के आलू
- धनिया के पत्ते बारीक कटे हुए
- हरी चटनी
- इमली की खट्टी-मीठी चटनी
- क्रश की हुई पापड़ी
- बारीक कटा खीरा
- बारीक कटा चुकंदर

आलू चना चाट बनाने की रेसिपी

- सबसे पहले काले चने को रातभर भिगोने के बाद उबालकर रख लें। आप चाहें तो चाट में चने की बजाय सफेद चना या मटर का इस्तेमाल कर लें।
- इसी तरह से आलू को भी दो सीटी में उबाल लें। ध्यान रहे कि आलू बहुत ज्यादा पककर गल ना जाएं। हल्के कड़े ही रहें।
- जब ये ठंडे हो जाए तो इन्हें छीलकर छोटा-छोटा काट लें।
- पैन में तेल डालकर गर्म करें और उसमे हींग डालें। साथ ही आलू डाल दें। अब ऊपर से इसमे लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर डालें। अब इसे धीमी और मीडियम आंच पर सुनहरा होने दें। जब ये अच्छी तरह से गोल्डन ब्राउन हो जाएं तो इन्हें अलग रख दें।
- थोड़ी सी पापड़ी तैयार कर लें। अगर पापड़ी तैयार करने का टाइम नहीं है तो किसी मार्केट के पापड़ को तवे पर सेंककर रख लें।
- अब किसी डिजाइनर शार्ट साइज की गिलास को निकालें।
- उसमे नीचे की तरफ फेंटी हुई हल्की सी चीनी डली दही को रखें।
- उसके ऊपर उबले हुए चने डालें। उबले चनों में नमक स्वादानुसार और चाट मसाला डाल दें।
- दही के ऊपर चने की लेयर करें और उसके ऊपर तैयार आलू डालें।
- मीठी चटनी स्प्रेड करें। साथ ही हरी चटनी, पापड़ को क्रश करके डालें। साथ ही बारीक कटा खीरा, प्याज, मूली को भी डालें।
- जरूरत हो तो ऊपर से हल्का सा नमक डाल दें।
- बस तैयार है मजेदार क्रिस्पी आलू चना चाट रेसिपी।

मेहनत के बाद भी रह जाएंगे गरीब, अगर पैसों के बारे में अक्सर बोलते हैं ये 5 बातें!

जालंधर ब्रीज (फीचर) . पैसों को ले कर बदलें नजरिया : आपने सुना ही होगा कि जैसा हम बोलते हैं, वैसा ही जीवन में हमें मिलता हैं। पैसों के बारे में भी ठीक यही बात लागू होती है। पैसों को ले कर आपके विचार, आपकी धारण और आपका नजरिया कैसा है, ये तय करता है कि आपके पास पैसा रहेगा या नहीं। कई बार फुल मेहनत के बाद भी लोगों के पास पैसा नहीं टिकता या उनका कोई काम बनते-बनते बिगड़ जाता है। इसके पीछे आपकी सोच भी जिम्मेदार हो सकती है। ऐसे में अगर आप भी पैसों को ले कर ये बातें जानें-अनजाने में बोलते रहते हैं, तो आज ही इन्हें बंद कर दें।

पैसा ही सब कुछ नहीं होता : इमोशनली ये बात कहने में ठीक लग सकती है, लेकिन प्रैक्टिकली देखें तो ये पैसों को ले कर एक नेगेटिव धारणा ही है। जब आप पैसों को ले कर ये नजरिया रखते हैं, तो कहीं ना कहीं ये सिग्नल देते हैं कि पैसे उतने जरूरी भी नहीं है। इसके चलते आप पैसों की सही मैनेजमेंट से भी दूर हो जाते हैं। पैसे को इज्जत और ग्रेटीट्यूड की भावना से देखेंगे, तो आप अपनी तरफ उन्हें अट्रैक्ट भी कर पाएंगे।

मेरे पास तो पैसा टिकता ही नहीं है : कई लोग ये बात बड़े आराम से बोल देते हैं। जबकि ऐसा बोलने से वो पैसों को खुद से और दूर कर रहे होते हैं। दरअसल आपके शब्दों में बहुत ताकत होती है। कोई भी चीज आप बार-बार बोलते रहते हैं, तो आपके माइंड को उसपर विश्वास हो जाता है और फिर जीवन में आप वैसा ही अट्रैक्ट करते हैं। ऐसे में अगर जाने-अनजाने आप भी यही कहते रहते हैं, तो यकीन मानिए आपके पास कभी सच में पैसा नहीं टिकने वाला।

हमारी किस्मत में इतना पैसा कहां : ये बात बोलकर आप पहले ही खुद को विश्वास दिला देते हैं कि आप ज्यादा पैसों के काबिल हैं ही नहीं। पैसों को ले कर जबतक आपके मन में ये धारण बनी रहेगी, तब तक आप कभी भी ज्यादा पैसा नहीं काम पाएंगे। खुद को विश्वास दिलाएं कि आप भी पैसे के काबिल हैं और भूलकर भी अपनी किस्मत को तो दोषी ना ही ठहराएं।

पैसा बुराई की जड़ है : कई लोग पैसे को बड़ी नेगेटिविटी के साथ देखते हैं। उन्हें लगता है कि सारी बुराई की जड़ पैसा ही है और सारे बुरे लोग पैसे वाले ही हैं। खुद ही सोचिए जब आप इस गलत नजरिए से देखेंगे तो भाला कहां से पैसा आपकी लाइफ में अट्रैक्ट होगा? इसके बजाय ये भी देखिए कि अच्छे काम भी तो पैसे की वजह से ही हो रहे हैं। सकारात्मक नजरिया रखेंगे तो लाइफ में भी वैसा ही अट्रैक्ट करेंगे।

पान के पत्ते में काली मिर्च मिलाकर खाने के फायदे बता रहीं न्यूट्रिशनिस्ट

Health

पान के पत्ते चबाने की परंपरा तो इंडिया में सदियों पुरानी है। लेकिन इसे गुटखा और जर्दा डालकर अनहेल्दी बनाने की बजाय अगर काली मिर्च के साथ मिलाकर चबाया जाए तो फायदे देगी...

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

आयुर्वेद में कई सारे खाने के ऐसे कॉम्बिनेशन बताए गए हैं जो किसी दवा की तरह काम करते हैं और हेल्थ को ठीक रखने में मदद करते हैं। पुराने समय से ही पान के पत्ते को चबाने की मान्यता है। वहीं ये पत्ता धार्मिक रूप से भी काफी महत्वपूर्ण है। इन पत्तों में नेचुरल माउथ फ्रेशनर कंपाउंड होने के साथ ही एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टी भी पाई जाती है। सबसे खास बात कि ये पान का पत्ता काली मिर्च की फैमिली का ही हिस्सा है। और काली मिर्च को पान के पत्ते के साथ मिलाकर खाया जाए तो इसके काफी सारे फायदे हेल्थ को होते हैं। डायटीशियन एक्सपर्ट ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर पान के पत्तों के साथ काली मिर्च को चबाने के फायदे बताए हैं।

काली मिर्च के साथ पान के पत्ते को चबाने के फायदे

डायटीशियन एक्सपर्ट बताती हैं कि रोजाना सुबह खाली पेट अगर पान के पत्ते में 5-6 काली मिर्च मिलाकर खा लिया जाए। तो ये कई सारी बीमारियों को खत्म करने में मदद करेगा।

कफ और वात दोष को करेगा दूर

जिन लोगों को कफ और वात दोष होता है। उन्हें पान के पत्ते में काली मिर्च मिलाकर चबाना चाहिए। ऐसा करने से वात और कफ दोनों कम होती है और सर्दी-जुकाम से राहत मिलती है।

फैट बर्न करने में मदद

अगर आप तेजी से वेट लॉस करना चाहते हैं तो हेल्दी लाइफस्टाइल, एक्सरसाइज के साथ रोजाना खाली पेट काली मिर्च को पान के पत्ते में मिलाकर एक चबा लें। ये मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करेगा। जिससे वेट लॉस करना आसान हो जाएगा।

कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद

शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ गया है और हार्ट हेल्थ के लिए खतरे की घंटी बज रही है तो अपनी डाइट को सुधारने, एक्सरसाइज करने के साथ ही पान के पत्ते में काली मिर्च मिलाकर सुबह चबाएं। ये लिपिड लेवल को बैलेंस कर देगा।

पेट के कीड़े मरेंगे

पान का पत्ता नेचुरल डिटॉक्सिफाइंग एजेंट का भी काम करता है। अगर किसी के पेट में कीड़े की शिकायत रहती है तो उसे पान के पत्ते में काली मिर्च मिलाकर चबाना चाहिए।

हार्मोनल बैलेंस में भी मदद

हार्मोंस के इंबैलेंस से थायराइड की समस्या हो रही है तो पान के पत्ते में काली मिर्च मिलाकर चबाएं। इससे मेटाबॉलिज्म सही होगा और थायराइड भी सही रहेगा।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

डॉ. पी.के.मिश्रा के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सहयोग से जी-20 आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्य समूह ने केप टाउन में मंत्रिस्तरीय घोषणा को अपनाया

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा ने दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में आयोजित जी-20 आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) मंत्रिस्तरीय बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। इस बैठक में मंत्रियों ने 13 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर "सभी के लिए अनुकूलता: एकजुटता, समानता और स्थिरता के माध्यम से आपदा जोखिम न्यूनीकरण को सुदृढ़ बनाने" की घोषणा को अपनाया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में, डॉ. मिश्रा ने भारत के इस विश्वास पर बल दिया कि आपदा जोखिम न्यूनीकरण की कोई लागत नहीं है बल्कि यह हमारे साझा भविष्य में एक सामूहिक निवेश है। उन्होंने जी-20 डीआरआर कार्य समूह (2023) के गठन में भारत की अग्रणी भूमिका और बहु-खतरे की प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को आगे बढ़ाने, पूर्वानुमानित कार्रवाई के लिए पूर्वानुमानित वित्तपोषण का लाभ उठाने और अनुकूलता के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने की भारत की निरंतर प्रतिबद्धता पर बल दिया। उन्होंने आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) के माध्यम से भारत के नेतृत्व को दोहराया, जिसने 50 देशों को तकनीकी सहायता प्रदान की है।

डॉ. मिश्रा ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण एजेंडे के अंतर्गत साझेदारी की भावना को बढ़ावा देने और अफ्रीका के दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के लिए दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता की सराहना की।

डीआरआर में निवेश के लिए स्वैच्छिक उच्च-स्तरीय सिद्धांतों पर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन के दौरान, डॉ. मिश्रा ने जोखिम सूचना, वित्तपोषण रणनीति, नवाचार और स्थानीय स्तर के निवेश पर आधारित भारत के एकीकृत दृष्टिकोण का भी उल्लेख किया। भारत के शासन प्रारूप ने डीआरआर को अपनी राष्ट्रीय अनुकूलन योजना, क्षेत्रीय नीतियों और वित्तपोषण साधनों में अंतर्निहित किया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि विकास योजना के प्रत्येक स्तर में अनुकूलता, समावेशिता और स्थिरता समाहित हो।

इस अवसर पर, डॉ. मिश्रा ने दक्षिण अफ्रीका के सहकारी शासन और पारंपरिक मामले मंत्री श्री वेलेंकोसिनी हलाबिसा, ऑस्ट्रेलिया की आपातकालीन प्रबंधन मंत्री सुश्री क्रिस्टी मैकबेन और अन्य जी-20 सदस्यों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधिमंडल प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठक करते हुए आपदा अनुकूलन की दिशा में सहयोगात्मक प्रयासों को सुदृढ़ किया।

कार्यक्रम का समापन करते हुए डॉ. मिश्रा ने घरेलू स्तर पर तथा अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों के माध्यम से घोषणापत्र की प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की।

डॉ. मनसुख मंडाविया ने सोनीपत स्थित SAI राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र का किया दौरा ; सुविधाओं की समीक्षा की और एथलीटों, प्रशिक्षकों और कर्मचारियों से बातचीत की

• **जालंधर ब्रीज** . सोनीपत

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने आज सोनीपत स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) का दौरा किया और चल रहे प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचे की समीक्षा की तथा प्रशिक्षकों, एथलीटों और सहायक कर्मचारियों के साथ बातचीत की।

दोपहर में केंद्र पहुंचने पर डॉ. मंडाविया का साई के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत किया और सोनीपत परिसर की गतिविधियों, उपलब्धियों और आगामी परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया।

केंद्रीय मंत्री ने अपने दौरे की शुरुआत तीरंदाजी उत्कृष्टता केंद्र के निरीक्षण से की, जहाँ उन्होंने प्रशिक्षकों और एथलीटों से बातचीत की। उन्होंने उनके समर्पण की सराहना की और जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए वैज्ञानिक प्रशिक्षण विधियों को बढ़ावा देने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया।

डॉ. मंडाविया ने 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल के तहत वृक्षारोपण गतिविधि में भी भाग लिया। इसके बाद, मंत्री महोदय ने तीरंदाजी रेंज, कबड्डी कोर्ट, चिकित्सा केंद्र, कुश्ती हॉल, खेल विज्ञान विभाग और स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग हॉल का दौरा किया, जहाँ उन्होंने उपलब्ध प्रशिक्षण और खेल विज्ञान सुविधाओं का जायज़ा लिया। उन्होंने खिलाड़ियों की तैयारी में प्रौद्योगिकी और खेल विज्ञान के एकीकरण की सराहना की और नियमित स्वास्थ्य एवं प्रदर्शन मूल्यांकन के महत्व पर ज़ोर दिया।

डॉ. मंडाविया ने बहुउद्देश्यीय हॉल (एमपीएच), आगामी उच्च प्रदर्शन केंद्र (एचपीसी) और इनडोर कबड्डी हॉल का भी निरीक्षण किया और भारत के एथलीटों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए की जा रही महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक प्रगति पर ध्यान दिया।

यह दौरा प्रशिक्षकों और स्टाफ सदस्यों के साथ बातचीत के साथ संपन्न हुआ, जहां मंत्री ने भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र में उनके योगदान की सराहना की और 2047 तक विकसित भारत के विजन को साकार करने के लिए एक मजबूत खेल संस्कृति के निर्माण के सरकार के दृष्टिकोण को दोहराया।

पारंपरिक चिकित्सा की बढ़ती प्रासंगिकता

जलवायु परिवर्तन और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के दौर में प्राचीन चिकित्सा पद्धति स्थायी स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदान कर सकती है

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) . विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार, इसके 88 प्रतिशत सदस्य देशों - 194 देशों में से 170 - में पारंपरिक चिकित्सा का प्रचलन है। विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में, यह चिकित्सा प्रणाली अपने सुलभ और किफायती सेवा के कारण अरबों लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवा का प्राथमिक रूप बनी हुई है। तथापि, इसका महत्व उपचार से आगे बढ़कर जैव विविधता संरक्षण, पोषण सुरक्षा और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने तक विस्तृत है। व्यापारिक रुझान दिखाते हैं कि लोग इसे तेजी से अपना रहे हैं। विश्लेषकों का अनुमान है कि वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा बाजार 2025 तक 10 प्रतिशत -20 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 583 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। चीन का पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र 122.4 अरब डॉलर, ऑस्ट्रेलिया का हर्बल औषधि उद्योग 3.97 अरब डॉलर और भारत का आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा एवं होम्योपैथी (आयुष) क्षेत्र 43.4 अरब डॉलर के मूल्य का है। यह विस्तार स्वास्थ्य सेवा दर्शन में एक मूलभूत बदलाव को दर्शाता है - प्रतिक्रियात्मक उपचार मॉडल से सक्रिय, निवारक दृष्टिकोणों की ओर, जो केवल लक्षणों के बजाय मूल कारणों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

प्रतापराव जाधव
(केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री)

भारत का आयुर्वेदिक परिवर्तन

भारत के पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। 92,000 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों वाले आयुष उद्योग का एक दशक से भी कम समय में लगभग आठ गुना विस्तार हुआ है। विनिर्माण क्षेत्र का राजस्व 2014-15 के 21,697 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्तमान में 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जबकि सेवा क्षेत्र ने 1.67 लाख करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है।

भारत अब 150 से ज़्यादा देशों को 1.54 अरब डॉलर मूल्य के आयुष और हर्बल उत्पादों का निर्यात करता है और आयुर्वेद को कई देशों में एक चिकित्सा पद्धति के रूप में औपचारिक मान्यता मिल रही है।

केंद्रीय राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बंभानिया ने पंजाब दौरे के दूसरे दिन लुधियाना के बाढ़ प्रभावित गाँवों का दौरा किया

• **जालंधर ब्रीज** . लुधियाना

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बंभानिया ने रविवार को पंजाब के अपने आधिकारिक दौरे के दूसरे दिन लुधियाना ज़िले के बाढ़ प्रभावित गाँवों का व्यापक दौरा किया। उन्होंने स्थानीय निवासियों से मुलाकात कर ज़मीनी हालात का जायज़ा लिया और प्रभावित परिवारों को राशन किट और आवश्यक वस्तुएँ वितरित कीं।

मंत्री ने ससराली, बूथगढ़ और रोड़ गाँवों का दौरा किया, जो हालिया बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हुए थे। प्रभावित लोगों से बातचीत के दौरान बंभानिया ने उनकी समस्याएँ सुनीं और उन्हें आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार उनके शीघ्र पुनर्वास और सामान्य स्थिति बहाली के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

बंभानिया ने स्वयं प्रभावित परिवारों को आवश्यक खाद्य सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं से युक्त राशन किट सौंपीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है कि राहत सामग्री और सहायता हर ज़रूरतमंद परिवार तक शीघ्र पहुँचे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस कठिन घड़ी में पंजाब के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है और राहत, पुनर्वास तथा पुनर्निर्माण कार्यों में राज्य को हर संभव सहायता देती रहेगी। मैदानी निरीक्षण के दौरान केंद्रीय मंत्री ने सतलुज नदी के तटबंध का भी दौरा किया और वहाँ चल रहे मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि तटबंध को मज़बूत करने का कार्य शीघ्रता से पूरा किया जाए तथा भविष्य में बाढ़ की पुनरावृत्ति रोकने के लिए दीर्घकालिक और टिकाऊ बाढ़ प्रबंधन रणनीति तैयार की जाए, जिससे नदी किनारे बसे लोगों के जीवन और आजीविका की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। मौके पर उपस्थित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए बंभानिया ने कहा कि मकानों, कृषि भूमि और पशुधन को हुए नुकसान का सर्वेक्षण समय पर, पारदर्शी और संवेदनशील दृष्टिकोण से किया जाए, ताकि सभी प्रभावित परिवारों को शीघ्र और उचित मुआवज़ा मिल सके। मंत्री ने गाँवों की सड़कों, पुलों और सार्वजनिक ढाँचे की स्थिति का भी निरीक्षण किया, जो बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुए थे, और ज़िला प्रशासन को निर्देश दिया कि मरम्मत एवं बहाली कार्यों को तेज़ी से पूरा कर सामान्य जनजीवन को शीघ्र बहाल किया जाए।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आईसीएआर-भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना में प्रशासनिक भवन का उद्घाटन किया

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर) लुधियाना, पंजाब का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का उद्घाटन किया और मक्का हितधारकों, किसानों, ग्रामीण विकास योजनाओं के लाभार्थियों और महिला स्वयं सहायता समूहों की दीदियों से बातचीत भी की। इसके बाद, केंद्रीय मंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया, जिसमें पंजाब क्षेत्र के लिए केंद्र सरकार की प्रमुख कृषि और ग्रामीण विकास पहलों और योजनाओं की जानकारी साझा की गई। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, केंद्रीय रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुडियां भी उपस्थित थे।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाना, उत्पादन लागत कम करना और किसान की आय बढ़ाना हमारा मुख्य लक्ष्य है। गेहूं और चावल की खेती के मामले में हम पूरी तरह आत्मनिर्भर हैं, लेकिन कृषि में विविधता लाना बेहद जरूरी है। गेहूं और धान के बाद तीसरी सबसे बड़ी फसल मक्का है, जिसका उपयोग भोजन के अलावा कई अन्य कार्यों में भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि धान का मुकाबला केवल मक्का ही कर सकता है, जिससे पानी की भी बचत होगी और किसानों को अधिक लाभ मिलेगा। इस दृष्टि से मक्का अनुसंधान संस्थान बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ किए जा रहे अनुसंधान मक्का के उत्पादन को बढ़ाने में काफी मददगार साबित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पंजाब में फसल के नुकसान की भरपाई के लिए गेहूं के बीज की मुफ्त आपूर्ति के लिए 74 करोड़ रुपये जारी किए हैं और सरसों सहित अन्य बीजों के लिए धनराशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 11.09 लाख किसानों के खातों में 222 करोड़ रुपये अग्रिम रूप से हस्तांतरित किए जा चुके हैं। बागवानी क्षेत्र में हुए नुकसान की भरपाई के लिए भी एमआईडीएच योजना के माध्यम से सहायता भेजी जाएगी।

मोदी का हनुमान क्षण : बाधाओं से भरी दुनिया में भारत की लंबी छलांग

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

जब पूरे भारत में दीप जलते हैं, तो रामायण का एक अमर दृश्य आज के समय से संवाद करता है। हनुमान जी अपने बल पर संदेह करते हुए सागर के किनारे खड़े हैं, जब तक कि जाम्बवंत उन्हें यह याद नहीं दिलाते कि वह ताकत तो पहले से ही उनके भीतर है। उसके बाद जो छलांग लगती है, वह कोई चमत्कार नहीं बल्कि आत्मविश्वास का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यही आत्मविश्वास भारत की अर्थव्यवस्था में जगाने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि भारत अपनी भीतरी शक्ति के सहारे वैश्विक चुनौतियों को पार कर सके। जैसे-जैसे दुनिया नई वीजा बाधाओं और शुल्कों के साथ सिमट रही है, तब मोदी के नेतृत्व में भारत अपने आत्मविश्वास को दुनिया के सामने ला रहा है। भारत विपरीत परिस्थितियों को आगे बढ़ने की ताकत में बदल रहा है।

हाल के महीनों में, अमेरिका ने नए एच-1बी वीज़ा आवेदनों पर 1,00,000 डॉलर की फ़ीस और ब्रांडेड व पेटेंट वाली दवाओं के आयात पर 100% शुल्क लगाया है। इन कदमों को रोज़गार सुरक्षा के नाम पर लिया गया बताया गया, लेकिन इसके पीछे एक गहरी चिंता छिपी है। यह है विकसित देशों में बढ़ता संरक्षणवाद और जनसंख्या से जुड़ी असुरक्षा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने इसका जवाब तीन ऐसे स्तंभों को मज़बूत बनाकर दिया है, जिन्हें कोई भी शुल्क प्रभावित नहीं कर सकता- पैमाना (स्केल), कौशल (स्किल) और आत्मनिर्भरता (सेल्फ रिलायंस)।

दुनिया से भारत का अंतर बहुत साफ दिखाई देता है। चीन की आबादी तेज़ी से बूढ़ी हो रही है। वहां की औसत आयु अब 40 साल से ज़्यादा हो गई है, जबकि भारत में यह 29 साल से कम है। हमारे दो-तिहाई लोग 35 साल से कम उम्र के हैं। इस युवा ऊर्जा को जब कौशल, शिक्षा और उद्यमिता के ज़रिए सही दिशा दी जाती है तो वो भारत को विश्व अर्थव्यवस्था का "विकास इंजन" बनाती है। जब वैश्विक संस्थाएं बताती हैं कि पिछले साल दुनिया की कुल आर्थिक वृद्धि में भारत का योगदान 16% से ज़्यादा था, तो यह कोई नारा नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले एक दशक के सुधार, निवेश और बुनियादी ढांचे के निर्माण का परिणाम है।

हाल के आंकड़े इस रफ्तार को और पुख्ता करते हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की जीडीपी अनुमान को बढ़ाकर 6.8% किया है। इसके पीछे कारण बताए गए हैं- मज़बूत घरेलू मांग, स्थिर निवेश प्रवाह और अच्छे मानसून की उम्मीद। सितंबर में जीएसटी संग्रह 1.89 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह लगातार नौवां महीना है जब संग्रह 1.8 लाख करोड़ रु. से ज़्यादा रहा। यह दर्शाता है कि देश में खपत बढ़ रही है और टैक्स का दायरा भी फैल रहा है।

हरदीप सिंह पुरी
(केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री है)

विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो लगभग 11 महीनों के आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। वहीं जून तिमाही में विदेशी धन प्रेषण 33.2 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की तुलना में काफी अधिक है। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 57.7 और सर्विस सेक्टर पीएमआई 60.9 पर स्थिर रहा, जो यह फिर साबित करता है कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है।

यह सकारात्मक रुझान बाज़ारों और सड़कों दोनों पर दिखाई दे रहा है। इस दशहरा सीज़न में खुदरा और ई-कॉमर्स बिक्री अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। उद्योग संगठनों जैसे कैट और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार बिक्री 3.7 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई, जो पिछले साल से लगभग 15% ज़्यादा है। सिर्फ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर ही त्योहारों के पहले पंद्रह दिनों में 90,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा का कारोबार हुआ। सबसे ज़्यादा मांग ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोना और कपड़ों में देखी गई। अब उम्मीद है कि दीवाली इस बार सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ देगी, जो न केवल उपभोक्ता विश्वास को दिखाता है, बल्कि सरकार के औपचारिक ऋण, डिजिटल भुगतान और ग्रामीण क्रय शक्ति बढ़ाने के लगातार प्रयासों की सफलता को भी दर्शाता है।

भारत की आर्थिक नींव अब मज़बूत हो चुकी है। पिछले दस वर्षों में भारत की जीडीपी लगभग दोगुनी हो गई है और अब वह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। जल्द ही जर्मनी को पीछे छोड़ने की उम्मीद है। विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर से अधिक है। मुद्रास्फीति नियंत्रित है, और वित्तीय अनुशासन के साथ सरकार ने रिकॉर्ड सार्वजनिक पूंजीगत निवेश किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में, भारत का वस्तुओं और सेवाओं का समग्र निर्यात लगभग 825 बिलियन अमरीकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि अकेले व्यापारिक निर्यात लगभग 437 बिलियन अमरीकी डॉलर था। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता अब 220 गीगावॉट से अधिक हो गई है।

ये आंकड़े एक ही कहानी कहते हैं- एक ऐसे देश की, जो कभी नाज़ुक था, और अब एक मजबूत राष्ट्र बन गया है। ऐसे नेतृत्व में, जो दूरदृष्टि और क्रियान्वयन दोनों को साथ लेकर चलता है। यह दुखद सच्चाई है कि प्रधानमंत्री मोदी की आत्मनिर्भर भारत की सोच को कुछ लोग राजनीतिक लाभ के लिए गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। वे अब भी इसे बीसवीं सदी की पुरानी सोच से देख रहे हैं।

आत्मनिर्भरता का मतलब अलग-थलग रहना नहीं है। आत्मनिर्भर भारत का असली अर्थ है- अपनी शक्ति को दुनिया के सामने प्रस्तुत करना। यह वह ताकत है जो भारत को बराबरी के आधार पर वैश्विक स्तर पर भागीदारी करने की क्षमता देती है।

इसका उद्देश्य है- भारत में बनाना, लेकिन दुनिया के लिए अवसरों को विकेन्द्रित करना, ताकि मूल्य उन तक पहुंचे जो उसे बनाते हैं और वैश्विक बाज़ारों में समान शर्तों पर प्रतिस्पर्धा करना। मोबाइल फ़ोन, रक्षा उपकरण, चिकित्सा यंत्रों से लेकर सौर मॉड्यूल तक- उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने भारत में निवेश, रोज़गार और निर्यात तीनों को तेज़ी से बढ़ावा दिया है।

350वें शहीदी दिवस को समर्पित समारोहों की श्रृंखला का शुभारंभ गुरुद्वारा सीस गंज साहिब में अरदास से होगा

■ मुख्यमंत्री और सभी कैबिनेट मंत्री 25 अक्टूबर को गुरुद्वारा सीस गंज साहिब में करेंगे माथा टेक ■ भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दयाला जी को भी अर्पित की जाएगी श्रद्धा और सम्मान ■ नई दिल्ली के गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब में होगा विशाल कीर्तन दरबार ■ देश-विदेश में बसे श्रद्धालुओं से कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील ■ 24 नवम्बर को श्री आनंदपुर साहिब में आयोजित होगी पंजाब विधानसभा की विशेष बैठक

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली/चंडीगढ़

नवम पातशाह श्री गुरु तेग बहादर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार द्वारा आयोजित समारोहों की श्रृंखला का शुभारंभ 25 अक्टूबर को राष्ट्रीय राजधानी स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा सीस गंज साहिब में अरदास के साथ किया जाएगा। आज यहां पंजाब भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस, पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों की मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद और विभाग के सलाहकार दीपक बाली ने बताया कि पंजाब सरकार ने इस अवसर पर एक माह तक चलने वाले आयोजनों की रूपरेखा तैयार कर ली है।

उन्होंने कहा कि समारोहों की शुरुआत 25 अक्टूबर को दिल्ली स्थित गुरुद्वारा सीस गंज साहिब से होगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान, सभी कैबिनेट मंत्री और अन्य विशिष्ट हस्तियां गुरुद्वारे में माथा टेकेंगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भाई मती दास जी, भाई सती दास जी और भाई दयाला जी के शहीदी स्थलों पर जाकर श्रद्धा और सम्मान अर्पित करेंगे—इन तीनों ने गुरु साहिब के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा और निष्ठा दिखाते हुए अप्रतिम बलिदान दिया था। उन्होंने बताया कि उसी दिन शाम को गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब में विशाल कीर्तन दरबार आयोजित होगा, जिसमें बड़ी संख्या में संगत श्रद्धाभाव से हाज़िरी लगाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में "हिंद की चादर" श्री गुरु तेग बहादर साहिब जी ने मानव अधिकारों की रक्षा और धार्मिक स्वतंत्रता के लिए जो बलिदान दिया, उसकी मिसाल विश्व इतिहास में कहीं नहीं मिलती। नवम पातशाह सांझीवालता और धर्मनिरपेक्षता के प्रतीक थे, और उनका महान जीवन व दर्शन सम्पूर्ण मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ है। मंत्रियों ने बताया कि 1 नवम्बर से 18 नवम्बर तक पंजाब के सभी जिलों में "लाइट एंड साउंड शो" आयोजित किए जाएंगे, जिनमें गुरु तेग बहादर जी के जीवन और दर्शन को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ ही, गुरु साहिब के पावन चरणों से जुड़े नगरों में कीर्तन दरबार भी होंगे।

पंजाब के मंत्रियों ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री को दिया निमंत्रण

चंडीगढ़/बेंगलुरु (जालंधर ब्रीज). पंजाब के लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. और जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने आज बेंगलुरु में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से मुलाकात कर अगले महीने श्री आनंदपुर साहिब में आयोजित होने वाले नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादर जी के 350वें शहीदी समारोहों में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री निवास पर हुई इस मुलाकात के दौरान दोनों मंत्रियों ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को "हिंद की चादर" श्री गुरु तेग बहादर जी की अद्वितीय शहादत को समर्पित धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला के बारे में अवगत कराया। उन्होंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री को श्री आनंदपुर साहिब में होने वाले पावन समापन समारोहों में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हुए इस ऐतिहासिक अवसर पर देशभर में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों का विवरण भी साझा किया। कार्यक्रमों की रूपरेखा बताते हुए कैबिनेट मंत्रियों ने कहा कि स्मृति समारोह 25 अक्टूबर को दिल्ली स्थित गुरुद्वारा श्री सीस गंज साहिब में अरदास के साथ आरंभ होंगे और उसी शाम गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब में कीर्तन दरबार का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार 1 से 18 नवंबर तक सभी 23 जिलों में गुरु साहिब के जीवन और शिक्षाओं पर आधारित लाइट एंड साउंड शो आयोजित करेगी, जबकि गुरु साहिब की चरण छोह प्राप्त 130 स्थलों पर कीर्तन दरबार और धार्मिक कार्यक्रम होंगे। मंत्रियों ने बताया कि चार नगर कीर्तन विभिन्न स्थानों—श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) और पंजाब के गुरदासपुर, फरीदकोट तथा तख्त श्री दमदमा साहिब—से प्रारंभ होंगे और सभी नगर कीर्तन 22 नवंबर की शाम श्री आनंदपुर साहिब में एकत्र होंगे। मुख्य समारोह 23 से 25 नवंबर तक आयोजित होंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए "टेंट सिटी" (चक्क नानकी) बनाई जाएगी, जिसमें प्रतिदिन 11,000 से अधिक लोगों के ठहरने की व्यवस्था होगी।

जिला प्रशासकीय परिसर में दो साल की आवंटन के लिए बूथों की नीलामी 27 को

जालंधर (जालंधर ब्रीज). सहायक कामों (जनरल) रोहित जिंदल ने बताया कि जिला प्रशासकीय परिसर, जालंधर के कचहरी परिसर में रद्द किए गए बूथों की नीलामी कचहरी परिसर नियम-2003 के अनुसार की जानी है। इसके लिए जिला प्रशासकीय परिसर में 2 साल के आवंटन के लिए 38 बूथों की नीलामी/बोली 27 अक्तूबर को सुबह 11 बजे उनके कार्यालय में रखी गई है। सहायक कमिश्नर (जनरल) ने आगे बताया कि इस बोली के संबंध में इच्छुक व्यक्ति अपने आवेदन 24 अक्तूबर को शाम 4 बजे तक अपनी आई.डी. प्रूफ के साथ नज़ारत शाखा, डिप्टी कमिश्नर दफ्तर, जालंधर (कमरा नंबर 122 और 123) में जमा कर सकते है। उन्होंने बताया कि बूथों का विवरण और बोली की शर्तें किसी भी काम वाले दिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक नज़ारत शाखा, डिप्टी कमिश्नर दफ्तर, जालंधर (कमरा नंबर 122 और 123) के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती हैं। बोली से संबंधित यदि कोई संशोधन/कॉरिजेंडम होता है, तो उसे कार्यालय की वेबसाइट www.jalandhar.nic.in और नोटिस बोर्ड पर ही अपलोड किया जाएगा।

परमजीत कैंथ ने की एडीजी वाई. पूरन कुमार मामले में शामिल अधिकारियों को बचाने की कोशिश की निंदा

कहा- हरियाणा प्रशासन वाई. पूर्ण कुमार के परिवार को झूठे मामले में फँसाने की कोशिश कर रहा है

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा के पंजाब प्रदेश उपाध्यक्ष परमजीत सिंह कैंथ ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग से संज्ञान लेने की अपील करते हुए कहा, "ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जाना चाहिए और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए। हरियाणा सरकार के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या में शामिल अधिकारियों को बचाने की कोशिश की जा रही है।"

उन्होंने कहा कि आज़ादी के 79 साल बाद भी अनुसूचित जाति के लोगों को अपमान का सामना करना पड़ रहा है, जो गहरे पूर्वाग्रह को दर्शाता है। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। भाजपा नेता परमजीत कैंथ ने कहा कि जातिगत भेदभाव और घृणा के विरुद्ध समाज में जागरूकता लाने की आवश्यकता है। अनुसूचित जाति समुदाय के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार के परिवार को सरकारी सहायता और सुरक्षा की आवश्यकता है।

उनके परिवार को झूठे मामले में फंसाया जा रहा है। हरियाणा प्रशासन द्वारा किए जा रहे ये प्रयास अत्यंत निंदनीय हैं। भाजपा नेता कैंथ ने मांग की कि केंद्र और हरियाणा सरकार इन घटनाओं का संज्ञान लेकर न्यायिक कार्रवाई करें। अनुसूचित जातियों के हितों के लिए आवाज उठाने वाले भाजपा नेता परमजीत सिंह कैंथ ने अनुसूचित जाति समुदाय के विरुद्ध हो रही घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जातिगत और सांप्रदायिक भावनाओं का शोषण करके शांति और सार्वजनिक व्यवस्था को भंग करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग से इन घटनाओं की जाँच करने और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की अपील की।

सिविल सर्जन डॉ. राजेश गर्ग ने सिविल अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में की अचानक जांच

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

दीवाली के मद्देनज़र इमरजेंसी सुविधाओं संबंधी पंजाब सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार, सिविल सर्जन जालंधर डॉ. राजेश गर्ग ने गुरुवार को शहीद बाबू लाभ सिंह यादगारी सिविल अस्पताल, जालंधर के इमरजेंसी वार्ड का अचानक निरीक्षण किया और मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का जायज़ा लिया। इस दौरान उनके साथ जिला परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. रमन गुप्ता, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. राकेश चोपड़ा, एस.एम.ओ. डॉ. वरिंदर कौर थिंद और एस.एम.ओ. डॉ. नवनीत भी मौजूद थे।

डॉ. राजेश गर्ग ने इमरजेंसी वार्ड में भर्ती मरीजों से बातचीत की और स्वास्थ्य स्टाफ द्वारा दी जा रही सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मौके पर मौजूद इमरजेंसी वार्ड इंचार्ज डॉ. परविंदर और स्टाफ से भी मरीजों को दी जा रही इमरजेंसी स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी ली।

दीवाली के अवसर पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए डॉ. गर्ग ने स्टाफ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और उन्हें इमरजेंसी सेवाओं को हमेशा तत्पर रखने के लिए कहा। साथ ही, उन्होंने इमरजेंसी वार्ड के स्टाफ को लोगों को और भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

रिम्पीज़ इमिग्रेशन ट्रैवल एजेंसी का लाइसेंस रद्द

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट -कम-अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरल) अमनिंदर कौर ने पंजाब ट्रैवल प्रोफेशनल रेगुलेशन एक्ट-2012 की धारा 6(1)(ई) के प्रावधानों के तहत प्राप्त अधिकारों का उपयोग करते हुए रविंदरपाल सिंह पुत्र सूरजीत सिंह, निवासी 47, 48, 49, राजा गार्डन, कपूरथला रोड की फर्म मेसर्स रिम्पीज़ इमिग्रेशन, जो एन.एम.-210, सर्कुलर रोड, जालंधर में स्थित है, का लाइसेंस नंबर 596/ए.एल.सी.4/एल.ए./एफ.एन.-753 रद्द कर दिया है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने किया संगोष्ठी और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला/ जालंधर

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय), राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), क्षेत्रीय कार्यालय जालंधर ने पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय, कपूरथला रोड, जालंधर में एक संगोष्ठी और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों/विश्वविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। अंशुल सिंह ने प्रथम पुरस्कार, सुश्री अलीशा ने द्वितीय तथा अन्वी त्यागी ने तृतीय पुरस्कार जीता।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती पल्लवी अग्रवाल श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक एवं क्षेत्रीय प्रमुख, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (क्षेत्रीय संकार्य प्रभाग), सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार, जालंधर ने अपने मुख्य भाषण में राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के महत्व और योगदान पर प्रकाश डाला। पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय के श्री मोहित जैन, सहायक रजिस्ट्रार (प्रशिक्षण एंव नियुक्ति) ने अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर उप निदेशक हरबलास, सहायक निदेशक अरुण कुमार, वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी उमेश कुमार लिम्बू, बलराम सिंह, मनीषा, गौरव जैन, पूजा जोशी, शिवम त्यागी, मोहम्मद तारिक, अशोक कुमार तथा रविंदर, जैसमीन, शिवानी आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम ने छात्रों को शासन और राष्ट्र निर्माण में सांख्यिकी के महत्व को समझने के लिए सफलतापूर्वक प्रोत्साहित किया तथा विश्वसनीय डेटा एकत्र करने और प्रसारित करने में एनएसओ की भूमिका के बारे में जागरूकता को बढ़ावा दिया।

बाजवा ने 'भ्रामक' औद्योगीकरण अभियान के लिए 'आप' सरकार की आलोचना की

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पर तीखा और स्पष्ट हमला बोला और उसके बहुप्रचारित औद्योगीकरण अभियान को धोखे और खोखले वादों से भरा दिखावा बताया। बाजवा ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के दोहरे दोगलेपन को उजागर किया, जो बेंगलुरु में उद्योगपतियों से मिलते हुए, एक ऐसी सरकार की अध्यक्षता करते हैं, जिसने पंजाब लघु उद्योग और निर्यात निगम (पीएसआईईसी) से अनुदान सहायता में 243.73 करोड़ रुपये की बेशर्मी से वापस ले ली है। बाजवा ने इस कदम की निंदा करते हुए कहा, 'एक तरफ सीएम मान नए निवेशकों को खोखले वादे कर रहे हैं और दूसरी तरफ उनका प्रशासन राज्य में पहले से चल रहे उद्योगों के लिए समर्थन प्रणाली को सक्रिय रूप से खत्म कर रहा है.' उन्होंने इस कदम को 'सरासर पाखंड' और आप के कुशासन का प्रतिबिंब बताते हुए इसकी निंदा की। बाजवा ने अपनी लंबे समय से वादा की गई नई औद्योगिक नीति को लागू करने में सरकार की विफलता पर सवाल उठाया, एक प्रतिबद्धता जिसे विभिन्न मंचों पर बार-बार उद्धृत किया गया है, लेकिन कभी पूरा नहीं किया गया। उन्होंने आम आदमी पार्टी पर पंजाब में उद्यमियों और निर्माताओं के सामने आने वाली जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करते हुए पब्लिसिटी स्टंट करने का आरोप लगाया।

मत्स्य पालन मंत्रालय के सचिव डॉ. अभिलाक्ष लिखी ने मछलीपालकों और उद्यमियों के साथ की चर्चा

• **जालंधर ब्रीज.** फतेहगढ़ साहिब

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के सचिव डॉ. अभिलाक्ष लिखी ने फतेहगढ़ साहिब जिला का दौरा किया और मछलीपालकों एवं मत्स्य उद्यमियों से उनके मुद्दों और चुनौतियों को समझने के लिए चर्चा की, विशेष रूप से पुनः परिसंचरण जलीय कृषि प्रणाली (आर.ए.एस - रीसर्क्युलेटिंग जलीय कृषि प्रणाली) और झींगा पालन के संदर्भ में।

दौलतपुर गांव, बसी पथाना में आधुनिक आर.ए.एस सुविधाओं का दौरा करते हुए, डॉ. लिक्की ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) सहित केंद्रीय योजनाओं के अंतर्गत चल रहे मत्स्य पालन परियोजनाओं और गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने स्थानीय मछलीपालकों द्वारा अपनाई गई नवोन्मेषी प्रथाओं के बारे में जानकारी ली, जिन्होंने बंजर भूमि को उत्पादक जलीय कृषि (एक्वाकल्चर) हब में बदलकर क्षेत्र में रोजगार और आजीविका के अवसर सृजित किए हैं। इस अवसर पर करीब 35-40 प्रगतिशील मछलीपालक उपस्थित हुए और उन्होंने अपने अनुभव और सुझाव साझा किए। दौरे के दौरान, डॉ. लिखी ने प्रौद्योगिकी-आधारित मछली पालन, मछलीपालकों की क्षमता निर्माण, आय में वृद्धि और ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने के लिए प्रजातियों के विविधीकरण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने केंद्रीय सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई कि आधुनिक मत्स्य पालन प्रथाओं को अवसंरचना विकास, नवाचार और क्षमता संवर्धन के माध्यम से समर्थन मिलेगा।

यह दौरा इस बात को भी उजागर करता है कि केंद्र सरकार खारे पानी वाले राज्यों जैसे पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में मत्स्य पालन को प्राथमिकता दे रही है। इन राज्यों में अक्सर कृषि भूमि खारेपन से प्रभावित होती है, और जलीय कृषि (एक्वाकल्चर) के माध्यम से भूमि के अनुकूल उपयोग के साथ आजीविका के कई अवसर सृजित किए जा सकते हैं।

कपूरथला में अन क्लेमड एसेट्स के तवरित निपटान हेतु जन जागरण शिविर का आयोजन

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

16 अक्टूबर 2025 को राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति पंजाब के नेतृत्व में पंजाब के कपूरथला जिले में विशाल शिविर का आयोजन किया गया। पंजाब नेशनल बैंक के उप महाप्रबंधक रामकिशोर मीना द्वारा बताया गया कि अग्रणी जिला प्रबंधक द्वारा सभी वित्तीय संस्थाओ से संपर्क करते हुए भारत सरकार एवं भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा निर्देशानुसार एक विशाल शिविर का आयोजन किया जिसमे बैंक, बीमा ,पेंशन एवं म्युचुअल फंड विभागों के शीर्ष अधिकारियो द्वारा भाग लिया गया। उन्होंने आगे बताया की बैंक में जमा राशि को यदि 10 वर्ष तक भी प्राप्त नहीं किया गया हो तो जमा राशि भारतीय रिज़र्व बैंक को चली जाती है। इस दावा रहित पुरानी जमा राशि, म्युचुअल फंड, बीमा राशि, को कैसे प्राप्त किया जा सकता, इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। इस तरह के जागरूकता शिविर सभी राज्यों में लगाये जा रहे है ताकि पुरानी दावा रहित जमा राशी को वापस उसके असली मालिक को या नामित व्यक्ति को या कानूनन उतराधिकारी उत्तराधिकारियों को वापस की जा सके। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी "आपकी पूंजी -आपका अधिकार" जन जागरण अभियान 1 अक्टूबर 2025 से 31 दिसम्बर 2025 तक चलाया गया है। आगामी दिनों में प्रत्येक जिले में जागरूकता शिवर आयोजित किये जायेंगे. अधिक जानकारी हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक के उदगम पोर्टल (Udgam Portal) एवं अपनी नजदीकी बैंक शाखा में संपर्क कर सकते है। इस मौके पर सामाजिक सुरक्षा योजनाओ की भी विस्तृत जानकारी दी गयी एवं बैंक खातो में अपना पेन कार्ड, आधार एवं मोबाइल अपडेट करने के बारे में भी बताया गया। इस के साथ साइबर फ्राड से बचने के उपाय भी बताये गए। क्रायकर्म का संचालन अग्रणी जिला प्रबंधक कँवलजीत द्वारा किया गया।

खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग कर रहा सख्त निगरानी

होशियारपुर (जालंधर ब्रीज). त्योहारी सीजन के दौरान खाने-पीने की वस्तुओं में होने वाली मिलावट को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से सख्त कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में डिप्टी कमिश्नर होशियारपुर आशिका जैन ने बताया कि जिले के नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा प्रशासन की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसके लिए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच और मिलावट पर नियंत्रण के लिए टीमें गठित की गई हैं।

उन्होंने जानकारी दी कि जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जतिंदर भाटिया के नेतृत्व में तीन फूड सेफ्टी अधिकारियों मुनीश सोढी, विवेक कुमार और इशांक बंसल व टीम के सदस्यों द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में, यहां तक कि गांवों में भी मिठाई की दुकानों, दूध और दूध से बने उत्पादों जैसे पनीर, देसी घी, खोया आदि से बनी मिठाइयों, पैक की गई मिठाइयों, विभिन्न प्रकार के मसालों, फल, सब्जियों और अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने जांचे जा रहे हैं। ये टीमें त्योहारों के दौरान लगातार निगरानी कर रही हैं ताकि उपभोक्ताओं तक केवल गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित भोजन ही पहुंचे।

डिप्टी कमिश्नर ने लोगों से अपील की कि वे खाने-पीने की वस्तुएं खरीदते समय सावधानी बरतें, पैकेजिंग और उत्पाद की एक्सपायरी तिथि की जांच करें, और किसी भी प्रकार की मिलावट या संदिग्ध सामग्री की सूचना तुरंत स्वास्थ्य विभाग को दें। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि टीमों द्वारा विभिन्न नमूने एकत्र किए गए हैं और उन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजा गया है।

अभिषेक शर्मा और स्मृति मंधाना चुने गए प्लेयर ऑफ द मंथ

स्पोर्ट्स डेस्क. आईसीसी ने अभिषेक शर्मा को सितंबर के लिए मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ घोषित किया है। एशिया कप 2025 में अभिषेक ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। दूसरी ओर महिलाओं में स्मृति मंधाना प्लेयर ऑफ द मंथ चुनी गई हैं। अभिषेक एशिया कप टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे जिन्होंने 7 मैचों में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 314 रन बनाए थे।

वहीं एशिया कप टूर्नामेंट में अभिषेक ने 200 के ताबड़तोड़ स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी भी की थी। वो पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज भी रहे। उनके बल्ले से 3 फिफ्टी निकली थीं। जबकि टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा चौके (32) और सबसे ज्यादा छक्के (19) लगाने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम पर था। इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया था।

वहीं दूसरी तरफ भारतीय महिला स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना का बल्ले से साल 2025 में अब तक वनडे फॉर्मेट में काफी शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। सितंबर महीने में मंधाना के बल्ले से प्रदर्शन को लेकर बात की जाए

फोटो-बीसीसीआई

तो कुल 4 मैच खेले जिसमें 77 के शानदार औसत के साथ 308 रन बनाने में कामयाब रही। मंधाना ने इसी के साथ 2 शतकीय और एक अर्धशतकीय पारी भी खेली। मंधाना का इस दौरान स्ट्राइक रेट 135.68 का देखने को मिला।

मंधाना को उनके इस बेहतरीन प्रदर्शन के चलते आईसीसी की तरफ से ये अवॉर्ड दिया गया। मंधाना ने अपने करियर में दूसरी बार इस अवॉर्ड को जीता है, जिसमें इससे पहले साल 2024 में जून महीने में स्मृति मंधाना ने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड जीता था।

मुफ्त डेयरी प्रशिक्षण कोर्स 27 अक्तूबर से

जालंधर (जालंधर ब्रीज). डिप्टी डायरेक्टर कश्मीर सिंह ने बताया कि पंजाब डेयरी विकास विभाग द्वारा ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले पुरुष और महिला (अनुसूचित जाति के प्रशिक्षार्थियों के लिए) उम्मीदवारों के लिए मुफ्त डेयरी प्रशिक्षण कोर्स 27 अक्तूबर से डेयरी प्रशिक्षण केंद्र, फगवाड़ा में शुरू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस कोर्स के लिए इच्छुक प्रशिक्षार्थी की आयु 18 से 55 वर्ष के बीच होनी चाहिए और न्यूनतम 5वीं कक्षा पास होना आवश्यक है। डिप्टी डायरेक्टर, डेयरी विकास विभाग ने आगे बताया कि इस प्रशिक्षण प्रोग्राम के दौरान दूध देने वाले पशुओं की खरीद से लेकर रख-रखाव, खान-पान, नस्ल सुधार, देखभाल और उचित विपणन की नवीनतम तकनीकों के बारे में जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कोर्स के लिए उम्मीदवारों का चयन जिला स्तर की समिति द्वारा किया जाएगा।

दिवाली और त्योहारी मौसम को ध्यान में रखते हुए नगर निगम कपूरथला को नए फायर टेंडर वाहनों की प्राप्ति

कपूरथला (जालंधर ब्रीज). दिवाली और आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए पंजाब सरकार द्वारा नगर निगम कपूरथला को नए आधुनिक अग्निशमन वाहन प्रदान किए गए हैं। इनमें मिनी फायर टेंडर, टाटा योद्धा फायर टेंडर और अन्य आवश्यक अग्निशमन उपकरण शामिल हैं। अनुपम कलेर (आई.ए.एस.), कमिश्नर नगर निगम कपूरथला, ने बताया कि इन वाहनों के मिलने से शहर के भीतरी हिस्सों में किसी भी अनचाही अग्नि घटना पर अब तेजी से काबू पाया जा सकेगा। नए वाहनों से फायर ब्रिगेड विभाग की क्षमता और बढ़ेगी, जिससे तंग गलियों या संकुचित इलाकों में भी आसानी से पहुंचा जा सकेगा। कमिश्नर अनुपम कलेर (आई.ए.एस.) ने कहा कि त्योहारी सीजन के दौरान आग लगने की घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए नगर निगम द्वारा तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि फायर डिपार्टमेंट के स्टाफ को अलर्ट रहने के निर्देश जारी किए गए हैं और सभी उपकरणों की जांच भी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि नए वाहनों के आने से न केवल फायर ब्रिगेड की ताकत बढ़ेगी, बल्कि शहरवासियों में सुरक्षा का भरोसा भी मजबूत होगा। नगर निगम ने लोगों से अपील की है कि त्योहारों के दौरान आग से संबंधित सुरक्षा नियमों का अवश्य पालन करें।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, Near Subhanpur Bus Stand,Hamira, Kapurthala-144802(Punjab) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.